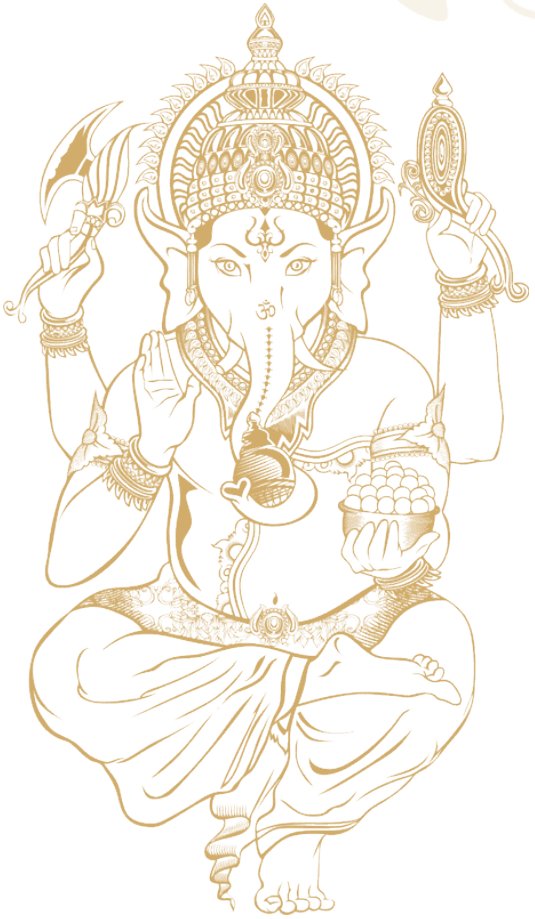

Vikash Kumar

30 Nov 1968

07:14 PM

Supaul Saharsa

Model: web-freekundliweb

Order No: 120933502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/11/1968**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:14:00 घंटे**
इष्ट	32:31:57 घटी
स्थान	**Supaul Saharsa**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	86:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:30:24 घंटे
वेलान्तर	00:11:18 घंटे
साम्पातिक काल	00:08:22 घंटे
सूर्योदय	06:13:13 घंटे
सूर्यास्त	16:51:19 घंटे
दिनमान	10:38:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:00:36 वृश्चिक
लग्न के अंश	19:27:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:27:34	317:28:07	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	15:00:36	01:00:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	26:50:53	12:12:31	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	19:25:24	00:35:45	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	11:22:13	01:34:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कन्या	08:49:07	00:08:21	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	25:25:28	01:11:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि	व		मीन	25:40:12	00:02:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		मीन	14:32:43	00:01:52	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	14:32:43	00:01:52	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	09:53:31	00:02:05	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	03:17:15	00:02:13	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो			कन्या	01:28:50	00:00:54	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			मीन	08:51:24	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:25:19

लग्न-चलित

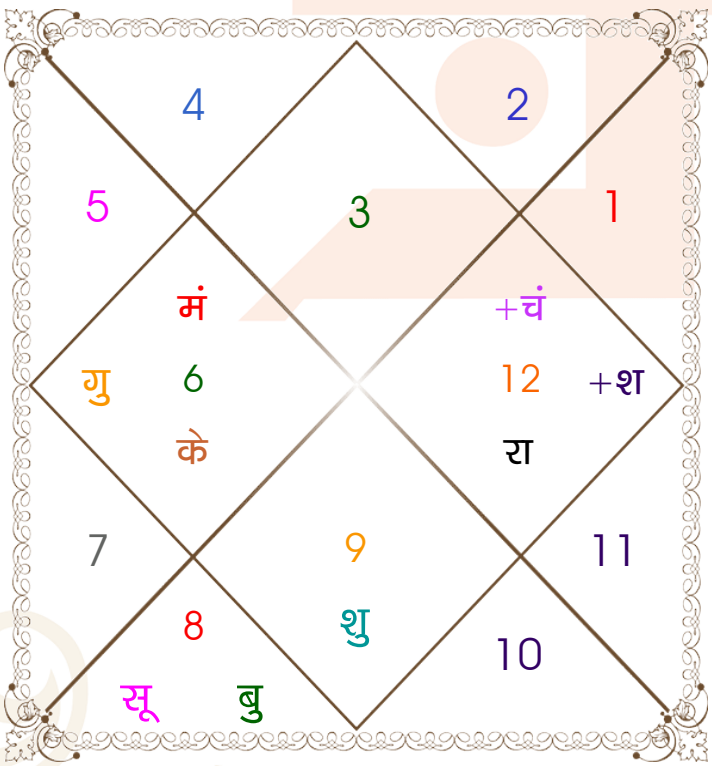

चन्द्र कुंडली

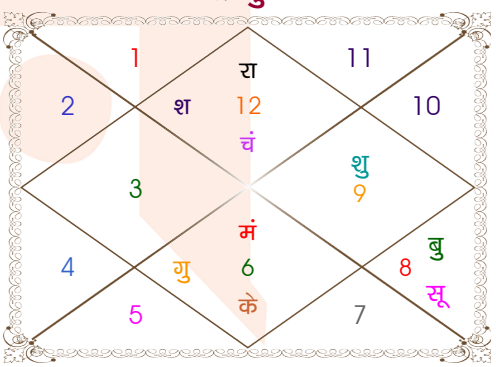

नवमांश कुंडली

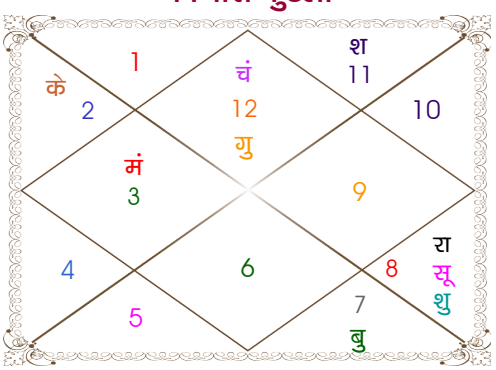

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 0 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/11/1968		07/12/1972		08/12/1979		08/12/1999		07/12/2005	
07/12/1972		08/12/1979		08/12/1999		07/12/2005		08/12/2015	
	00/00/0000	केतु	05/05/1973	शुक्र	08/04/1983	सूर्य	26/03/2000	चंद्र	08/10/2006
	00/00/0000	शुक्र	05/07/1974	सूर्य	08/04/1984	चंद्र	25/09/2000	मंगल	09/05/2007
	00/00/0000	सूर्य	10/11/1974	चंद्र	07/12/1985	मंगल	31/01/2001	राहु	07/11/2008
	00/00/0000	चंद्र	11/06/1975	मंगल	07/02/1987	राहु	26/12/2001	गुरु	09/03/2010
	00/00/0000	मंगल	07/11/1975	राहु	06/02/1990	गुरु	14/10/2002	शनि	08/10/2011
	00/00/0000	राहु	25/11/1976	गुरु	07/10/1992	शनि	26/09/2003	बुध	08/03/2013
	30/11/1968	गुरु	01/11/1977	शनि	08/12/1995	बुध	01/08/2004	केतु	08/10/2013
गुरु	30/03/1970	शनि	11/12/1978	बुध	08/10/1998	केतु	07/12/2004	शुक्र	08/06/2015
शनि	07/12/1972	बुध	08/12/1979	केतु	08/12/1999	शुक्र	07/12/2005	सूर्य	08/12/2015

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/12/2015		08/12/2022		07/12/2040		07/12/2056		08/12/2075	
08/12/2022		07/12/2040		07/12/2056		08/12/2075		00/00/0000	
मंगल	05/05/2016	राहु	20/08/2025	गुरु	25/01/2043	शनि	11/12/2059	बुध	06/05/2078
राहु	24/05/2017	गुरु	13/01/2028	शनि	08/08/2045	बुध	20/08/2062	केतु	03/05/2079
गुरु	29/04/2018	शनि	19/11/2030	बुध	14/11/2047	केतु	29/09/2063	शुक्र	03/03/2082
शनि	08/06/2019	बुध	08/06/2033	केतु	19/10/2048	शुक्र	28/11/2066	सूर्य	07/01/2083
बुध	04/06/2020	केतु	26/06/2034	शुक्र	20/06/2051	सूर्य	10/11/2067	चंद्र	08/06/2084
केतु	01/11/2020	शुक्र	26/06/2037	सूर्य	08/04/2052	चंद्र	11/06/2069	मंगल	05/06/2085
शुक्र	01/01/2022	सूर्य	21/05/2038	चंद्र	08/08/2053	मंगल	21/07/2070	राहु	23/12/2087
सूर्य	09/05/2022	चंद्र	20/11/2039	मंगल	15/07/2054	राहु	27/05/2073	गुरु	30/11/2088
चंद्र	08/12/2022	मंगल	07/12/2040	राहु	07/12/2056	गुरु	08/12/2075		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 0 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।